1080521 - B2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क'

1. अपठित गद्यांश – 5

समस्त ग्रंथो एवम् ज्ञानी अनुभवी जनों का कहना है कि – जीवन एक कर्म क्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दु:ख एवम कष्ट हमारे शत्रु हैं जिनका हमे सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि – कायर अपनी मृत्यु से पूर्व कई बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होतें हैं। लेकिन वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।

विश्व के प्राय: सभी महापुरूषों के जीवनवृत्त, अमरीका के निर्माता जार्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन चरित्र हमें यही शिक्षा देतें है कि महानता का रहस्य संघर्ष शीलता और अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा। परन्तु वें घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अन्त में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेले ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती। परिश्रम, दृढ–इच्छा शक्ति, व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करतें है।

(क) अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है – 1

(i) जीवन एक कर्मक्षेत्र (ii) सफलता का रहस्य

(iii) संघर्ष और सफलता (iv) जीवन एक चुनौती

(ख) 'वीर' का विलोम है – 1

(i) साहसी (ii) कायर

(iii) निराश (iv) विरांगना

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – ''जीवन एक कर्म क्षेत्र है''। 1

(i) जीवन में संघर्ष ही संघर्ष है

(ii) जीवन में हिम्मत चाहिए

(iii) जीवन में निरंतर कर्म करना पड़ता है

(iv) कर्मो से ही जीवन चलता है

(घ) महापुरुषों ने महानता कैसे प्राप्त की – 1

(i) ईश्वर की कृपा से (ii) उचित अवसर पाकर

(iii) संषर्घ करके (iv) सफलता पाकर

(ङ) मार्ग प्रशस्त करने का आशय है – 1

(i) मार्ग मे रुकावट डालना (ii) रास्ते बताना

(iii) रास्ते खोलना (iv) नये मार्ग बनाना

2. अपठित गद्यांश **5**

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी है – ''उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मीवरण करती हैं।'' जो भाग्यवादी होतें हैं उन्हे कुछ नहीं मिलता। वे हाथ पर हाथ धरे रह जातें हैं। अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है। प्रकृति को ही देखिए, सारे जड़-चेतन अपने कार्य में लगे रहते है। चींटीं को भी पलभर चैन नहीं। मधुमक्खी न जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूंद-बूंद मधु जुटाती है। मुरगे को बाग लगानी ही है। फिर मनुष्य को बुद्धि मिली है विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है।

विश्व के जो भी देश आगे बढे हैं उनकी सफलता का रहस्य परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्व युद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थ व्यवस्था भिन्न-भिन्न हो गई थी। दिन रात जी तोड़ परिश्रम करके वह पुन: विश्व का प्रमुख औद्योगिक देश बन गया। चीन को शोषण से मुक्ति भारत से देर में मिली। वह भी श्रम के बल पर आज भारत से आगे निकल गया। जर्मनी नें भी युद्ध की विभीषिका झेली, पर श्रम के बल पर सम्भल गया।

(क) उपयुक्त शीर्षक दीजिए – **1**

(i) सफलता का रहस्य (ii) परिश्रम करो

(iii) चलते रहो (iv) परिश्रम:सफलता का आधार

(ख) 'हाथ पर हाथ धरना' का आशय है – **1**

(i) काम करके बैठना (ii) आलसी होना

(iii) आराम करना (iv) कुछ न करना

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – ''उद्योगी पुरूष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है'' – **1**

(i) धन सम्पत्ति परिश्रमी व्यक्ति की दासी है।

(ii) परिश्रम और साहस से धन सम्पत्ति जमा होती है।

(iii) उद्योगपति और बहादुर लोग धन कमातें हैं।

(iv) उद्योगी पुरुष लक्ष्मी जैसी कन्या का वरण करता है।

(घ) 'विभीषिका' का तात्पर्य है – **1**

(i) विपत्ति (ii) सम्पत्ति

(iii) सुअवसर (iv) चुनौती

(ङ) उन्नत देशों नें किस कारण उन्नति की है – **1**

(i) विपत्तियों के कारण (ii) विनाश के कारण

(iii) कठिन परिश्रम के कारण (iv) भाग्य के कारण

3. अपठित काव्यांश – **5**

लाल पत्थर लाल मिट्टी
लाल कंकड़ लाल बजरी
लाल फूले ढ़ाक के बन
डाँग गाती फाग कजरी
सनसनाती साँझ सूनी
वायू का कंठला खनकता
झींगुरों की खंजड़ी पर
झाँझ का बीहड़ झनकता।
बीच सूनें में –
बनैये ताल का फैला अटल जल
ये कभी आये यहाँ पर छोड दमयन्ती दु:खी नल
भूख व्याकुल ताल से ले
मछलियाँ थी जो पकाई
शाप के कारण जली ही
वे उछल जल में समायी
है तभी से साँवली
सुनसान जंगल की किनारी।

(क) चारो ओर के वातावरण में कौन सा रंग समाया है – **1**

(i) लाल (ii) काला
(iii) पीला (iv) नीला

(ख) साँझ कैसी है – **1**

(i) नाचती (ii) गाती
(iii) सूनी (iv) गुनगुनाती

(ग) कविता में खंजड़ी किसकी है – **1**

(i) बीहड़ की (ii) साँझ की
(iii) झींगुरों की (iv) दमयन्ती की

(घ) ताल पर कौन आए थे – **1**

(i) नल (ii) दमयन्ती
(iii) दोनों (iv) दोनो में से कोई नहीं

(ङ) जंगल की किनारी साँवली क्यों है – **1**

(i) भूख की व्याकुलता के कारण
(ii) जंगल का रंग ही काला है
(iii) पकाई गई मछलियो के जल में समाने के कारण
(iv) लाल मिट्टी के कारण

4. अपठित काव्यांश **5**

जन्म दिया माता सा जिसने, किया सदा लालन पालन,
जिसकी मिट्टी जल से ही है रचा गया हम सबका तन।
गिरिवर वित रक्षा करतें हैं, उच्च उठाके श्रृंग महान,
जिसके लता द्रुमादिक करते, हमको अपनी छाया दान।
माता केवल बाल्यकाल में, निज अंक में धरती है,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन-पोषण करती है।
मातृ-भूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यन्त,
जिसके दया प्रवाहों का होता न कभी सपने मे अंत।
मर जानें पर कह दे हो के इसमें ही मिल जातें हैं,
हिन्दू जलते यवन इसाई, शरण इसी मे पातें हैं।
ऐसी मातृ-भूमि है मेरी, स्वर्ग लोक से भी प्यारी
उसके चरण-कमल पर मेरा तन - मन - धन सब बलिहारी।

(क) उँचे - उँचे पहाड हमें क्या देते हैं - **1**

(i) सौन्दर्य (ii) जल
(iii) वनस्पति (iv) सुरक्षा

(ख) अशक्त का विलोम होगा - **1**

(i) सशक्त (ii) आसक्त
(iii) अशिक्त (iv) शक्तिहीन

(ग) मातृ - भूमि को माँ क्यों कहा गया है - **1**

(i) जन्मदातृ होने के कारण (ii) लालन-पालन करनें के कारण
(iii) गोद में समानें के कारण (iv) अनंत उपकारों के कारण

(घ) कवि मातृ - भूमि के प्रति अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करता है - **1**

(i) उपकारों को याद करके (ii) अपना सर्वस्व न्योछावर करके
(iii) उसके गीत गाकर (iv) उसके सौन्दर्य की चर्चा करके

(ङ) 'द्रुमादिक' का तात्पर्य है - **1**

(i) चोटियाँ (ii) ऊँचे पर्वत
(iii) पेड़ (iv) पेड़ आदि वनस्पतियाँ

खण्ड 'ख'

5. (i) अव्यय शब्दों को कहेंगे – 1

(क) विकारी (ख) अविकारी

(ग) सविकारी (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) वे लोग तुमसे मिलनें आ रहें हैं – रेखांकित को कहेंगे – 1

(क) शब्द (ख) पद

(ग) क्रिया (घ) क्रिया विशेषण

(iii) हमारा खेत इस कोनें से उस कोनें तक फैला है – रेखांकित में पदबंध है – 1

(क) विशेषण (ख) क्रिया

(ग) क्रिया विशेषण (घ) सर्वनाम

(iv) पतंग हवा में उड़ती चली गई। रेखांकित में पदबंध है – 1

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया (घ) क्रिया विशेषण

6. (i) काला घोड़ा तेज भागता है – रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) गुण वाचक विशेषण, एक वचन, पुल्लिंग

(ख) संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, विशेष्य

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ii) मोहन पाँचवी कक्षा में पढ़ता है – रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, कक्षा विशेष्य का विशेषण

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एक वचन

(ग) संज्ञा, भाववाचक, कर्म

(घ) विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन

(iii) शादी पर मैं जाऊँगा अथवा मेरा भाई।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है – 1

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित (घ) आश्रित

(iv) जब रात होगी तभी मैं घर जाऊँगी – से मिलकर बना संयुक्त वाक्य है – 1

(क) रात होगी और मैं घर जाऊँगी (ख) रात होगी तो घर जाऊँगी

(ग) मैं घर जाऊँगी क्यों कि रात होगी (घ) उपर्युक्त सभी

7. (i) मैनें एक आदमी देखा जो बहुत बीमार था। रचना के आधार पर वाक्य का भेद है – 1

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित (घ) विस्मयादि बोधक

(ii) निम्नलिखित में से मिश्रित वाक्य है – 1

(क) सभा समाप्त होनें पर सब लोग चले गए।

(ख) अपराधी होनें के कारण उसे सजा हुई।

(ग) जब सभा समाप्त हुई तब सभी चले गए।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(iii) एकैक का सन्धि विच्छेद है – 1

(क) एके + एक (ख) एका + एक

(ग) एका + एका (घ) एक + एक

(iv) नदी + आगम का संधि है – 1

(क) नदी आगम (ख) नद्यगम

(ग) नद्यागम् (घ) नदिआगम

8. (i) मतैक्य, में स्वर संधि का कौन – सा भेद है – 1

(क) दीर्घ (ख) गुण

(ग) वृद्धि (घ) यण

(ii) हवन सामग्री, समस्त पद का विग्रह है – 1

(क) हवन की सामग्री (ख) हवन के लिए सामग्री

(ग) हवन और सामग्री (घ) हवन के समान सामग्री

(iii) 'वचन रुपी अमृत', का समस्त पद है - 1

(क) वाचनामृत (ख) वचनामृता

(ग) वचनामृत (घ) वाचनमृत

(iv) निम्नलिखित में किस समस्त पद में कर्मधारय समास है - 1

(क) आप - बीती (ख) असत्य

(ग) महादेव (घ) दही बड़ा

9. (i) श्रद्धालू जन अपने नेता की राह में _____ बैठे हैं - उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए 1

(क) आँखे बिछाना (ख) आँखे बंद करना

(ग) आँखे फेरना (घ) आँखे चुरा लेना

(ii) भाई साहब के हाथों में डंडा देखकर _____ 1

(क) मेरे प्राण सूख गए (ख) चक्कर आ गया

(ग) जमीन पर पाँव न रखना (घ) मैं टूट गया

(iii) मैं रात - भर पढ़-पढ़ कर आँखें _____ रहा और इधर परीक्षा स्थगित हो गई। 1

उपर्युक्त मुहावरे से रिक्त स्थान को भरिए -

(क) चार करता (ख) पकाता

(ग) फोड़ता (घ) लाल-पीली

(iv) ''अध जल गगरी छलकत जाय'', लोकोक्ति का अर्थ है - 1

(क) थोड़े में बहुत कहना (ख) थोड़े ज्ञान पर अधिक घमंड

(ग) कंजूस का धन व्यर्थ हो जाता है (घ) घमंडी का सर नीचा होना

खण्ड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **5**

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूढ़े बन माँहि।

ऐसे घटि-घटि राम हैं, दुनिया देखे नाहिं।।

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।

सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देख्या माहि ।।

(i) 'मृग' किसका प्रतीक है – **1**

(क) अज्ञानी जीव का (ख) आध्यात्मिक जीव का

(ग) भक्त का (घ) भ्रष्ट व्यक्ति का

(ii) इस दोहे का भावार्थ है – **1**

(क) परमात्मा जंगल में हैं। (ख) संसार व्यर्थ हैं।

(ग) परमात्मा मन में ही हैं। (घ) संसार नश्वर हैं।

(iii) मैं, का तात्पर्य है – **1**

(क) कबीर (ख) मनुष्य

(ग) अहंकार (घ) ममता

(iv) अंधियारा मिटने का आशय है – **1**

(क) अज्ञान नष्ट हो गया (ख) प्रकाश हो गया

(ग) दुख दूर हो गए (घ) सुख मिल गया

(v) दीपक देख्या माहि का आशय है – **1**

(क) आनंद भीतर देख लिया (ख) परमात्मा को मन में देख लिया

(ग) सुख मन में ही मिल गया (घ) सांसारिक भोग अपनें हाथ में ही है

अथवा

अब तो बहरहाल

छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फारिग हो

तो उसके ऊपर बैठकर चिड़िया ही करती हैं गप-शप

कभी - कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं

खास कर गौरेये

वे बताती हैं कि दर-असल कितनी भी बड़ी हो तोप

एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

(i) यहाँ किस तोप की चर्चा है - **1**

(क) 1857 की तोप की (ख) खिलौना तोप की

(ग) तोप के चित्र की (घ) अंग्रेजो के तोप की

(ii) बच्चे तोप के साथ कैसा व्यवहार करते है - **1**

(क) श्रद्धा से प्रणाम (ख) चलाकर देखतें हैं

(ग) छूकर देखते हैं (घ) घुड़सवारी का आनंद लेते हैं

(iii) चिड़िया गपशप करती है - के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है - **1**

(क) आज यह तोप शांति की प्रतीक है

(ख) आज यह तोप शांत है

(ग) तोप भाई चारा बढ़ाती है

(घ) आज लोग इसके बारे में गप्पे हाँकते हैं

(iv) गौरैये तोप के भीतर घुस जाती है - **1**

(क) गोले का आकार देखने के लिए (ख) खेल समझकर

(ग) गोले से बचने के लिए (घ) लोगों से बचने के लिए

(v) तोप पर पक्षियों का चहचहाना क्या सिद्ध करता है - **1**

(क) युद्ध की ज्वाला शांत होती है (ख) युद्ध नहीं करना चाहिए

(ग) युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए (घ) पक्षी युद्ध से बेखौफ रहतें हैं

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए – **2.5x2=5**

(क) जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई ?

(ख) तताँरा नें अपनी विलक्षण तलवार से धरती को क्यों चीर डाला ?

(ग) वामीरो और तताँरा परस्पर मिलनें पर नि:शब्द क्यों रहे ?

(घ) शैलेन्द्र के अनुसार कलाकार का क्या कर्तव्य है ?

12. बड़े भाई साहब की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए ? **5**

अथवा

शैलेन्द्र के निजी जीवन की छाप उनकी फिल्म में झलकती है – कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मैंने शैलेन्द्र को गीतकार नहीं कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी जिंदगी में थी वही उनके गीतों में भी थी। उनके गीतों में सिर्फ करूना ही नहीं, जुझनें का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढने का संकेत भी देती है।

(क) पाठ एवम् लेखक का नाम बताइए ? **1**

(ख) लेखक ने शैलेन्द्र को क्या कहा ? **1**

(ग) शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषता बताई गई है ? **2**

(घ) शैलेन्द्र की व्यथा की क्या विशेषता रही है ? **1**

अथवा

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करनें लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होनें की एक झुठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बन्द किया और मन को किसी और दिशा में ले जानें का प्रयास किया। बार – बार तताँरा का याचनाभरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपनें जीवन साथी के बारे में सोचा करती थी। किंतु दुसरे गाँव के युवक के साथ वैवाहिक सम्बन्ध परंपरा के विरुद्ध था। उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार – बार उसकी आँखो के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

(क) पाठ एवम् लेखक का नाम लिखिए ? **1**

(ख) घर पहुँच कर वामीरो को बेचैनी क्यों महसूस हुई ? **1**

(ग) वामीरो तताँरा को क्यों भूल जाना चाहती थी ? **1**

(घ) वामीरो के मन में तताँरा की कैसी मूर्ति आती थी और क्यों ? **1**

(ङ) वामीरो को तताँरा कैसा युवक प्रतीत हुआ ? **1**

14. (क) कंपनी बाग में रखी तोप हमें क्या सीख देती है ? 2

(ख) मीरा ने श्री कृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है ? 2

(ग) कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है ? 1

15. महंत और भाइयों के बदलते व्यवहार से हरिहर काका को क्या बात समझ मे आ गई थी ? उन्होंनें क्या निश्चय किया ? 3

अथवा

बंधन मुक्त होने पर हरिहर काका नें पुलिस को अपने भाइयों के बारे में क्या-क्या बताया ? उस समय हरिहर काका की क्या दशा थी ?

16. लेखक ठाकुर बारी तो जाता था पर वहाँ के साधू संत उसे फूटी आँख नहीं सुहाते थे, क्यों ? 2

खण्ड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लग-भग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) **राष्ट्र मंडल खेल** -

* खेलो के आयोजन : एक स्वस्थ परम्परा
* अपेक्षित सुविधाएँ तथा समस्याएँ
* कुछ उदाहरण

(ख) **विज्ञान के बढ़ते चरण** -

* एक शुभ संकेत
* बढ़ती वैज्ञानिक प्रगति एक चुनौती
* संतुलन आवश्यक

(ग) **इंटरनेट** -

* जन संचार का लोकप्रिय माध्यम
* विविध उपयोग
* दुरुपयोग

18. रेल यात्रा में सामान चोरी हो जानें की सूचना देते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने क्षेत्र में साफ पेय जल न मिलनें की शिकायत करते हुए अपने जिले के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

- o O o -